

Ans. (b) मिट्टी की निचली सतह से ऊपर की ओर कोशिकाओं द्वारा जल रिसाव से पश्चिमी राजस्थान की मिट्टी अम्लीय और क्षारीय तत्वों से संसिक्त हो जाती है। उच्च उप-मृदा जल तालिका वाले क्षेत्रों में, शुष्क मौसम में वाष्पीकरण के परिणामस्वरूप केशिका क्रिया द्वारा नीचे से हानिकारक लवणों का स्थानान्तरण होता है। मिट्टी की क्षारीयता की समस्या को दूर करने के लिए जिप्सम का प्रयोग किया जाता है जबकि अम्लीयता की समस्या दूर करने के लिए चूने का उपयोग किया जाता है।

343. वह कौन-सी प्रक्रिया है जिससे पश्चिमी राजस्थान की मिट्टियाँ अम्लीय तथा क्षारीय बन जाती है?

- (a) ऊपरी सतह से नीचे की ओर रिसाव
(b) नीचे से ऊपर की ओर कोशिकाओं द्वारा रिसाव
(c) जल प्रवाह
(d) अपलक्षण (धुलकर बहना)

उत्तर—(b)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

344. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में अवनालिका अपरदन की समस्या मुख्यतः होती है?

- (a) उदयपुर (b) सिरोही
(c) अलवर (d) कोटा

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (d) अवनालिका अपरदन नदियों, नालों व भारी बारिश के जल बहाव से होता है। इस प्रकार के अपरदन में मिट्टी के ऊपरी आवरण के साथ-साथ गहराई तक कटाव किया जाता है, जिससे गड्ढे एवं घाटियों का निर्माण होता है। राजस्थान में अवनालिका अपरदन से कोटा जिला सर्वाधिक प्रभावित है। कोटा से बारा के मध्य के क्षेत्र को कुवारी बीहड़ के नाम से जाना जाता है।

345. राजस्थान में मृदा में लवणीयता व क्षारीयता की समस्या कहाँ पायी जाती है?

- (a) पाली (b) उदयपुर
(c) राजसमंद (d) डूंगरपुर

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (a)— राजस्थान में मृदा में लवणीयता व क्षारीयता की समस्या पाली जिले में पायी जाती है। राजस्थान में लवणीय मृदा प्राकृत रूप से पाली, बाड़मेर, और जालौर में पाई जाती है, परंतु यह रूपांतरित मिट्टी होने के कारण कोटा, भरतपुर व श्रीगंगानगर में भी पाई जाती है।

346. निम्न में से कौन सा राजस्थान में मरुस्थलीकरण का कारण नहीं है?

- (a) अतिचारण (b) वनोन्मूलन
(c) जनसंख्या दबाव (d) सौर्य ऊर्जा उत्पादन

RPSC School Lecturer-26-04-2017

Ans. (d) : राजस्थान में सौर्य ऊर्जा मरुस्थलीकरण का कारण नहीं है। बल्कि सौर्य ऊर्जा उत्पादन का सबसे बड़ा स्रोत है। मरुस्थलीकरण हेतु अतिचारण, वनों की कटाई, मानवीय क्रिया कलाप जैसे प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन एवं जनसंख्या का अत्यधिक दबाव किसी भी क्षेत्र के मरुस्थलीकरण के लिए उत्तरदायी होती है।

347. निम्न में से कौन सी मृदा, राजस्थान में कपास फसलों के उत्पादन हेतु सर्वाधिक उपर्युक्त है?

- (a) मिश्रित लाल एवं पीली मृदा
(b) भूरी जलोढ़ मृदा
(c) मध्यम काली मृदा
(d) लाल लोमी मृदा

Lab Assistant (Home Science)-30.06.2022

Ans. (c) : मध्यम काली मृदा राजस्थान में कपास फसलों के उत्पादन हेतु सर्वाधिक उपर्युक्त है। यह मृदा झालावाड़ा, बूँदी, बारां व कोटा जिलों में पायी जाती है।

348. राजस्थान भू राजस्व अधिनियम किस वर्ष पारित हुआ?

- (a) 1950 (b) 1952
(c) 1955 (d) 1956

Kanisht Abhiyanta (Civil)-18.05.2022

Ans. (d) : राजस्थान भू राजस्व अधिनियम वर्ष 1956 में पारित किया गया। इस अधिनियम का विस्तार सम्पूर्ण राजस्थान में लागू है। यह अधिनियम भूमि संबंधी मामले, राजस्व न्यायालय एवं अधिकारियों की नियुक्ति एवं कार्य भू-अभिलेख एवं नक्शा तैयार करने, भू-राजस्व निर्धारण करने, भूसम्पत्तियों के विभाजन तथा राजस्व वसूली एवं उससे संबंधित मामलों के लिए बनाया गया।

349. निम्न में से कौन-सा एक मरुस्थलीकरण का कारण नहीं है?

- (a) कठोर मौसमी परिस्थितियाँ
(b) बढ़ती आबादी
(c) वनोन्मूलन
(d) अम्लीय भूमि का प्रयोग करना

उद्योग निरीक्षक भर्ती परीक्षा- 2018 (24 जून, 2018)

Ans. (d) मरुस्थलीकरण के प्रमुख कारणों में कठोर मौसमी परिस्थितियाँ, वनोन्मूलन, जनसंख्या वृद्धि, संसाधनों का अति दोहन, भू-क्षरण आदि शामिल है। जबकि अम्लीय भूमि के प्रयोग का मरुस्थलीकरण से कोई सम्बन्ध नहीं है। उल्लेखनीय है सर्वप्रथम ऑबरविले ने वर्ष 1949 में मरुस्थलीकरण के बारे में बताया।

350. निम्न में से कौन-सा एक कारण राजस्थान में मृदा अपरदन से सम्बन्धित नहीं है?

- (a) जंगल कटना
(b) हिमानी क्रिया
(c) वायु अपरदन
(d) जलीय अपरदन

उद्योग प्रसार अधिकारी -2018 (22 जुलाई, 2018)

Ans. (b) जलीय अपरदन, वायु अपरदन, जंगल कटना राजस्थान में मृदा अपरदन से सम्बन्धित है, जबकि हिमानी क्रिया राजस्थान में मृदा अपरदन से सम्बन्धित नहीं है। राजस्थान में मृदा संबंधी प्रमुख समस्याएं भू-स्खलन, मृदा अपरदन, मरुस्थलीकरण जलाभरण आदि है। मिट्टी को ऊपरी सतह से उपजाऊ मृदा का प्रकृति अथवा मानवीय कारणों से वायु द्वारा या जल द्वारा स्थानान्तरण होना मृदा अपरदन कहलाता है। राजस्थान में सर्वाधिक मृदा अपरदन वायु तथा उसके बाद जल द्वारा होता है। वनों की कटाई मृदा अपरदन का एक प्रमुख कारण है।

351. जहाँ प्रतिवर्ष प्राकृतिक रूप से मिट्टियों का नवीनीकरण होता है, वह क्षेत्र है-